आँख की चोट

आँख की चोट इस विस्तार के बच्चो में अंधेपन का मुख्य कारण है जो रोका जा सकता है।

आँख में चोट लगने के कारण :

इस विस्तार में रहनेवाले निम्न वर्ग के लोग जिस ढंग से जीवन जीते है। उसके कारण आँख में चोट लगने की ज्यादा संभावना होती है। मरीजो के संर्पक से जानने मिला है कि ज्यादातर :

१.आँखो में काँटा लगना।
२.आँख में पथ्थर या कंकर गिरने से।
३.गुल्ली-दंडा,तीर कमान,क्रिकेट,जैसे खेल खेलते समय बच्चों की आँखो में लकडी की खरच पडने से।
४.भैस,गाय के सिंग लगने से।
५.वाहन के छत पर बैठकर यात्रा करने से।

आँख की चोट के परिणाम :

आँख में चोट लगने से निम्न प्रकार के नुकसान होते है।

१. आँख की पूतली फट जाती है।
२. आँखो में मोतीयाबिंद हो जाना।
३. आँखो में कालापानी (झामर) होना।
४. आँखों के परदे में तकलीफ होना।
५. आँखो के अंदर कंकर या लोहे की कण रह जाए तो मोतियाबिंद होने की संभावना होती है।

उपचार :-

द्रष्टि नेत्रालय,आँखों के अस्पताल में आँख की चोट वाले मरीजो के लिए आपातकालीन उपचार करने के लिए और आँखों के अंदर के हिस्से की जाँच करने और ईलाज के लिए विशिष्ट प्रकार के साधन उपलब्ध है। इन साधनो की मदद द्वारा आँखों की सोनोग्राफी करने और आँखों की चोट के लिए विटरेकटोमी साधन की व्यवस्था की गई है। जिससे आँखों की चोट किस प्रकार की है. वह जाना भी जा सकता है।

चोट के कारण हुए मोतियाबिंद के उपचार से पहले

चोट के कारण हुए मोतियाबिंद के उपचार के बाद

आँख में लगनेवाली चोट को रोकने के उपाय :-

- बच्चे चाकु,सुई,छुरी,पेन,पेसिंल जैसी नुकीली चीजों का सावधानी पुर्वक उपयोग करे व उसका ध्यान रखें।
- बच्चों को गाय,भैस, आदि पशुओं को बाँधते और छोडते समय अपना मुँह दूर रखें और उनके सींगो से सावधान रहना चाहिए।
- यात्रा करते समय बच्चों को वाहन के अंदर बिठाए और वाहन के छत न पर बिठाए।
- बच्चे त्यौहार में फटाके फोडते समय सावधानी रखें,वह देखें और उस विषय में उन्हें जागृत करें।
- वेल्डींग,ग्राइन्डिग जैसे काम जहाँ हो रहे हो वहाँ से बच्चो को दूर रखना चाहिए।
- धुल,धुआँ,कचरा,काँच की कण, धातु की कण, आँखो मे न गिरे उसका ध्यान रखना चाहिए।
- बच्चों की आँख में चोट लगे तो तुंरत ही बच्चे की आँख को साफ कपडे से ढक दीजिए। आँख पर किसी भी प्रकार की दवाई,मलम,मत लगाईए और आँख को किसी भी प्रकार से मत दबाईए,तथा किसी पास के अस्पताल में तथा द्रष्टि नेत्रालय दाहोद का संर्पक कीजिए।

आँख की चोट का ईलाज द्रष्टि नेत्रालय दाहोद में इमरजन्सी के रूप में किया जाता है।

ओपरेशन के द्वारा उपचार :-

जब बच्चे की आँख में चोट लगे तो उसकी आँखो की जाँच करके उसका उपचार करके और आवश्यक हो तो तुंरत ही उसका ओपरेशन द्वारा ईलाज करके द्रष्टि वापस लाने का प्रयत्न किया जाता है।

आँख की चोट की सीमा कितनी है, उसकी जांच के लिए सोनोग्राफी मशीन का इस्तेमाल किया जाता है।

द्रष्टि नेत्रालय की टीम को आँखो की चोट के करने मे आने वाले ओपरेशन के ५०० से ज्यादा ओपरेशन का अनुभव है।

पांच साल या पांच साल के पहले बच्चे की आँखो की जांच एकबार जरुर हो जानी चाहिए।

द्रष्टि नेत्रालय

द्रष्टि नेत्रालय दाहोद में कार्यरत एक स्वैच्छिक संस्था है। जिसमें बच्चों के आँखो के ईलाज के लिए प्रशिक्षित डॉक्टर की टीम है। बच्चो मे होनेवाले आँखो के रोगों के ईलाज के लिए विशिष्ट प्रकार के साधन द्रष्टि नेत्रालय में उपलब्ध है जिसमें बच्चों की आँखो का सही ईलाज हो सकता है। ORBIS International बच्चों की आँखो का खयाल रखनेवाली आंतरराष्ट्रीय संस्था है जिनकी सहायता से यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

DRASHTI NETRALAYA

द्रष्टि नेत्रालय, चाकलीया रोड, दाहोद
फोन नं. 02673-221594

ORBIS saving sight worldwide